प्रेस विज्ञप्ति
21.10.2020

वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून के आईटी और जीआईएस शाखा ने आईटी एवम आरएस-जीआईएस क्षेत्र में हाल ही में हुए प्रगतियों के बारे में वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को परिचित कराने के लिए "अनुसंधान के लिए उन्नत कम्प्यूटेशनल उपकरणों का उपयोग" पर आधे दिन का वेबिनार आयोजित किया। सेमिनार में मुख्यतः नए आइ टी एवं जी आइ एस संबन्धित उपकरणों एवं तकनीकियों का उपयोग वानिकी क्षेत्र के अनुसंधान हेतु दर्शाया गया। श्री एएस रावत, निदेशक एफआरआई ने प्रतिभागियों को वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में एफआरआई के आईटी और जीआईएस शाखा द्वारा विभिन्न उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया । उन्होने बतलाया आईटी और आरएस-जीआईएस प्रौद्योगिकी का उपयोग एफआरआई के वैज्ञानिकों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया है। सेमिनार में विभिन्न आईसीएफआरई संस्थानों जैसे कि शूस्क वन अनुसंधान संस्थान - जोधपुर, ट्रॉपिकल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट - जबलपुर, इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट जेनेटिक्स एंड ट्री ब्रीडिंग - कोयम्बटूर और डब्ल्यूआईआई, आईजीएनएफए, सीएएसएफओएस और आईआईआरएस जैसे संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। हेक्सागोन जियोस्पेशियल, गुड़गांव के श्री राम कुमार ने सूचना प्रौद्योगिकी, वेब-आधारित सेवाओं, मशीन लर्निंग आधारित उपयोगों के बारे में विष्तृत जानकारी दी । उन्होने बतलाया हाल ही में कैसे विभिन्न एजेंसियों द्वारा नयी टकनिकों का उपयोग किया गया है । उन्होंने झारखंड वन विभाग, नगालैंड वन विभाग और कुछ अन्य एजेंसियों जैसे सहारनपुर स्मार्ट सिटी परियोजना द्वारा विकसित और कार्यान्वित वेब आधारित सेवाओं का प्रदर्शन किया। spatial thoughts संस्थान, बेंगलुरू से उज्जवल गांधी, ने Google Earth Engine के विकास और कार्यान्वयन के बारे मे प्रतिभागियों को अवगत कराया । Google Earth Engine का उपयोग किस प्रकार से वानिकी के लिए उठाया जा सकता है, मुख्यतः ईस विषय पर उन्होने व्याख्यान दिया । उन्होने बताया Google Earth Engine का उपयोग पर्यावरण, जल संसाधन, ग्लेशियोलॉजी और जलवायु परिवर्तन जैसे अनुसंधान के लिए किया जा सकता है । श्रीमती ऋचा मिश्रा, प्रमुख आईटी और जीआईएस ने Google अर्थ इंजन का उपयोग करने पर जोर दिया जो अनुसंधान उद्देश्य के लिए मुफ्त में उपलब्ध है। आईसीएफआरई संस्थानों के वैज्ञानिक डॉ एसआर बालोच, डॉ धीरज गुप्ता, डॉ परमानंद कुमार, डॉ हुकुम सिंह ने भी वानिकी अनुसंधान के लिए Google अर्थ इंजन और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के उपकरणों का उपयोग करने पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का समापन जीआईएस केंद्र के एफआरआई के प्रभारी डॉ मनोज कुमार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद के साथ हुआ। वानिकी अनुसंधान के लिए आईटी और आरएस-जीआईएस के हालिया उपकरणों को लागू करने के लिए प्रतिभागियों को आईटी और जीआईएस अनुशासन के साथ हाथ मिलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।